मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

26 फरवरी, 2020

GYANOTSAV ज्ञानोत्सव

देश बदलना है तो शिक्षा को बदलो

मुविवि में ज्ञानोत्सव–संविमर्श का आयोजन

देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा . कोठारी

मुक्त विश्वविद्यालय में ज्ञानोत्सव संविमर्श में जुटे शिक्षाविद

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के तत्वावधान में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) प्रयागराज, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT) प्रयागराज के सहयोग से दिनांक 25–26 अप्रैल 2020 को सम्प्रति शिक्षा में नवाचारों पर संविमर्श हेतु ज्ञानोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक 26 फरवरी 2020 को आयोजन को कार्य रूप देने के लिए ज्ञानोत्सव की तैयारियों पर संविमर्श हेतु उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव माननीय अतुल कोठारी जी ने की।

ज्ञानोत्सव के संविमर्श हेतु आयोजित इस बैठक में प्रतिभागियों का स्वागत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया।

इस अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रतिनिधि डॉ मनीष अरोड़ा, चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालयए कानपुर के प्रतिनिधि डॉ सी पी सचान एवं अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के प्रतिनिधि प्रोफेसर एस पी मिश्रा ने भी संविमर्श में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानोत्सव संविमर्श के संयोजक प्रोफ़ेसर पी पी दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर ज्ञानोत्सव की वेबसाइट एवं लोगो का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए उ0 प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 पी.पी. दुबे एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रस्तुत करते हुए आई.आई.आई.टी. प्रयागराज के प्रो0 नितीश परोहित।

कार्यक्रम में उपस्थित माननीय कुलपति, निदेशक एवं शिक्षकगण।

ज्ञानोत्सव के लोगो एवं वेबसाइट का लोकार्पण

ज्ञानोत्सव के वेबसाइट का लोकार्पण करते हुए श्री अतुल कोठारी ती, प्रो0 नाग भूषण जी एवं प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

ज्ञानोत्सव के लोगो का लोकार्पण करते हुए श्री अतुल कोठारी ती, प्रो0 नाग भूषण जी एवं प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

ज्ञानोत्सव आयोजित कराने का उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच अंतरसंवाद को बढ़ावा देना है : प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य ज्ञान का सृजन करनाए ज्ञान का विस्तार करना एवं ज्ञान का उपयोग करना हैए जिससे सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन में गुणात्मक परिवर्तन हो सके। इसी दायित्वबोध से ज्ञानोत्सव का आयोजन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानए प्रयागराज ट्रिपल आईटी में 25 एवं 26 अप्रैल 2020 को संपन्न होने जा रहा है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ज्ञानोत्सव में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञानोत्सव आयोजित कराने का उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच अंतरसंवाद को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में उपस्थित माननीय कुलपति, निदेशक एवं शिक्षकगण।

*अपने विचार व्यक्त करते हुए **काशी हिंदू विश्वविद्यालय**ए **वाराणसी के प्रतिनिधि डॉ मनीष अरोड़ा***

प्रोफेसर पी. नाग भूषण

सीखना तभी संभव है जब सीखने वाला व्यक्ति भय मुक्त हो : प्रोफेसर पी. नाग भूषण

ज्ञानोत्सव के आयोजक एवं भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानए प्रयागराज के निदेशक **प्रोफेसर पी. नाग भूषण** ने ज्ञानोत्सव के विभिन्न 6 सत्रों में चर्चा किए जाने वाले विषयों पर विस्तार से विवेचना प्रस्तुत की। उन्होंने मूल्यांकन विहीन अधिगम प्रणाली को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि सीखना तभी संभव है जब सीखने वाला व्यक्ति भय मुक्त हो। उन्होंने कहा कि ज्ञानोत्सव ज्ञान की ज्योति जलाने का उत्सव है।

कार्यक्रम में उपस्थित माननीय कुलपति, निदेशक एवं शिक्षकगण।

प्रोफेसर पीयूष रंजन अग्रवाल

संविमर्श में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति प्रोफेसर पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि ज्ञानोत्सव में शोध के विभिन्न आयामों पर भी चर्चा होनी चाहिए।

प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता

पर छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की कुलपति **प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता** ने कानपुर विश्वविद्यालय में लागू किए गए नवीन पाठ्यक्रमों की चर्चा की तथा विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रकाश डाला।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एमएनएनआईटी, प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति के लिए छात्र शिक्षक दोनों स्तर पर पात्रता की आवश्यकता होती है। भाषा ज्ञान के लिए बाधा नहीं बननी चाहिए। सक्षम और सशक्त संप्रेषण मातृभाषा के ही माध्यम से संभव है।

प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी

प्रोफेसर बद्री नारायण

गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूसी, प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर बद्री नारायण ने स्थानीय ज्ञान को बढ़ावा देने एवं पाठ्यक्रमों के नवीनीकरण पर जोर दिया और ज्ञानोत्सव के एक सत्र में इस पर चर्चा कराने का प्रस्ताव दिया।

इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि प्रोफेसर एच.एस. उपाध्याय ने कहा कि दुनिया में जो भी मौलिक ज्ञान, शोध एवं रचनाएं हुई वह मातृभाषा के माध्यम से हुई इसलिए मातृभाषा को अध्ययन का माध्यम बनाने से व्यक्ति की क्षमता का प्रस्फुटन संभव है।

प्रोफेसर एच.एस. उपाध्याय

चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रतिनिधि डॉ सी पी सचान एवं अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के प्रतिनिधि प्रोफेसर एस पी मिश्रा ने भी संविमर्श में अपने विचार व्यक्त करते हुए।

GYANOTSAV
ज्ञानोत्सव
देश बदलना है तो शिक्षा को बदलो

श्री अतुल कोठारी

देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा - कोठारी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में बुधवार को आयोजित ज्ञानोत्सव संविमर्श में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव **श्री अतुल कोठारी** जी ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि शैक्षिक जगत की समस्याओं को गिनाने वालों का नहीं अपितु समाधान लेकर आने वाले विद्वानों का ज्ञानोत्सव प्रयागराज में होगा। आजादी के बाद से अब तक विभिन्न संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं में समस्याओं पर चर्चा होती रही है। प्रश्न यह उठता है कि क्या केवल समस्याओं के उठाने एवं उन पर चिंता एवं चिंतन करने से समस्याओं का समाधान संभव हैः देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा।

श्री कोठारी ने कहा कि ज्ञानोत्सव का उद्देश्य शिक्षा जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं शोधार्थियों को एक मंच पर लाना है। जिससे सभी संस्थान एक दूसरे के अभिनव शोध प्रयोग के निष्कर्षों को जान सकें। उल्लेखनीय है कि इसके पहले दिल्ली में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वावधान में ज्ञानोत्सव का आयोजन हो चुका है। पूर्वांचल में आयोजित होने वाले इस ज्ञान महोत्सव में यह प्रयास किया जा रहा है कि सुदूर ग्रामीण संस्थाओं सहित नगरीय संस्थाएं अपने उत्कृष्ट प्रयोगों को लेकर ज्ञान उत्सव में आएं। उन्होंने कहा कि भारत की जो प्राचीन ज्ञान संपदा है वह केवल नगरों तक ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं प्राचीन ग्रंथों में भी है। जिस पर चिंतन और मंथन होना समसामयिक आवश्यकता है।

माननीय अतिथियों का सम्मान

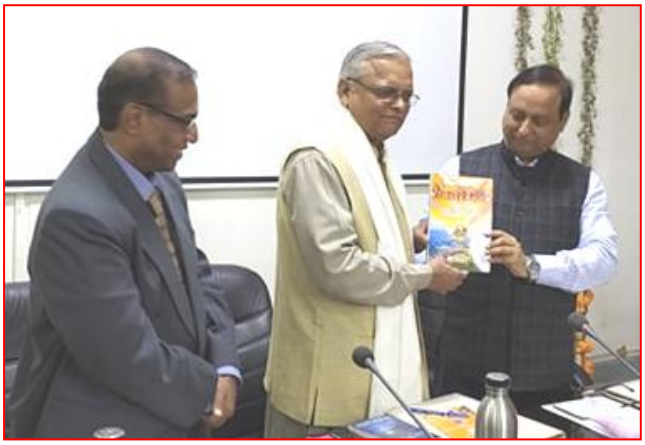

माननीय अतुल कोठारी जी को पुष्पगुच्छ,पौधा, अंगवस्त्र एवं सर्व समावेशी संस्कृति कुम्भ की पुस्तक भेंट कर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय अतिथियों को सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल जी।

राष्ट्रगान प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी जी।

ग्रुप फोटोग्राफी में माननीय अतिथिगण।